

सहेज लीजिए लाडले की पहली लोहड़ी की तस्वीर

आपके प्रिय समाचार पत्र अमर उजाला के साथ अपने बच्चे की पहली लोहड़ी खास बनाने के लिए शहरवासियों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने बच्चों की फोटो अमर उजाला के साथ शेयर की हैं, जिसे हम लोहड़ी पर प्रकाशित कर रहे हैं। यकीन मानिए, नन्हे मुन्नों के इन खिलखिलाते चेहरों को देख आज आपकी लोहड़ी मन जाएगी। हर बार की तरह इस साल भी हर कोई लोहड़ी के त्योहार को यादगार बनाने में जुटा है। खासकर वे परिवार, जिनके घरों में नन्हे मुन्ने मेहमान आए हैं। ऐसे में उनकी लोहड़ी खास बनाने को अमर उजाला ने बच्चों की तस्वीर प्रकाशित करने का निर्णय लिया। इस कामना के साथ कि ये बच्चे आपके सपनों को साकार करें। अपने परिवार, उत्तराखंड और देश का नाम रोशन करें। अखबार में उनकी यह पहली तस्वीर एक दस्तावेज के रूप में आपके लिए हमेशा यादगार रहेगी।



मुबारकां जी मुबारकां...



‘मोबाइल पर छात्रों के अपने-अपने तर्क’

माई सिटी रिपोर्टर
देहरादून। सरकार के डिग्री कॉलेज में क्लासरूम में मोबाइल प्रतिबंध को लेकर छात्र संगठनों की मिली जुली प्रतिक्रिया आई है। एक ओर जहां एनएसयूआई ने इसके लिए सरकार को ही मोबाइल की हिफाजत तय करने की मांग की है तो आर्यन ने इसके व्यवहारिक पक्षों को समझने की बात कही है।

सरकार जो फैसला लेने जा रही है, उसमें उन छात्रों की चिंता भी छिपी है जो कि अपनी खैर खबर परिजनों को देने के लिए मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। अगर वह मोबाइल घर से लाते हैं तो कॉलेज में इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। ताकि क्लास देने के बाद छात्र अपना मोबाइल ले सकें।
-मोहन भंडारी, प्रदेश अध्यक्ष, एनएसयूआई

सरकार अगर क्लासरूम के अंदर मोबाइल प्रतिबंध करने जा रही है तो यह फैसला स्वागत योग्य है। छात्र कक्षा में पढ़ने आता है तो उसका फोकस सिर्फ पढ़ाई पर ही होना चाहिए। हां, कॉलेज के भीतर मोबाइल ले जाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।
-रमाकांत श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष, एबीवीपी

मकर संक्रांति : सूर्य पूजा, दान-पुण्य का पर्व

माई सिटी रिपोर्टर
देहरादून। मकर संक्रांति का धार्मिक के साथ ही वैज्ञानिक महत्व भी है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर ही मकर संक्रांति योग बनता है। इस बार संशय संक्रांति 15 जनवरी को मनाई जाएगी।
आचार्य विजेंद्र प्रसाद ममगाई के मुताबिक इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। इस साल 14 जनवरी को रात 2.08 बजे सूर्य उत्तरायण होगा यानी सूर्य अपनी चाल बदलकर धनु से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेगा। मकर संक्रांति का संयोग बनने से

दान-दक्षिणा का विशेष महत्व
मान्यता है कि इस दिन किए गए दान पुण्य और अनुष्ठान का अभीष्ट फल मिलता है। सनातन धर्म में मकर संक्रांति को मोक्ष का माध्यम बताया गया है। ऐसा भी कहा जाता है कि इसी तिथि पर भीष्म पितामह को मोक्ष मिला था। इसके साथ ही सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होने शुरू हो जाते हैं, जिसके चलते खरमास समाप्त हो जाता है। प्रयाग में कल्पवास भी मकर संक्रांति से शुरू होता है। इस दिन को सुख और समृद्धि का दिन माना जाता है। गंगा स्नान को मोक्ष का रास्ता माना जाता है। इसी कारण लोग इस तिथि पर गंगा स्नान के साथ दान करते हैं। मान्यता है कि सूर्य देव जब मकर राशि में आते हैं, तो शनि की प्रिय वस्तुओं के दान से भक्तों पर सूर्य की कृपा बरसती है। इस कारण मकर संक्रांति के दिन तिल निर्मित वस्तुओं का दान शनिदेव की विशेष कृपा को घर परिवार में लाता है।
सौम्यायन संक्रांति का पुण्यकाल सुबह 7.52 बजे से शाम 4.11 बजे तक रहेगा। आठ घंटे में उत्तरायण हो रहे सूर्य की पूजा, नदियों में स्नान, देवदर्शन व दानपुण्य से विशेष फल की प्राप्ति होगी। संक्रांति की अवस्था तरुण होने की वजह से युवाओं में उत्साह रहेगा। साथ ही रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

- संक्रांति का राशियों पर प्रभाव
- मेष : ज्ञान में बढ़ोतरी
 - वृष : लाभ के साथ घर में कलह
 - मिथुन : शुभ फल की प्राप्ति
 - कर्क : सुख संतोष
 - सिंह : धन लाभ
 - कन्या : शारीरिक कष्ट
 - तुला : व्यापार में लाभ
 - वृश्चिक : ईस्ट सिद्धि व संतोष
 - धनु : सम्मान प्राप्ति
 - मकर : तनाव, यात्रा
 - कुंभ : धन लाभ व सुख
 - मीन : असंतोष